# चरित्र की कमी से दिल दहलाने वाली घटनाएं : राज्यपाल

## एचबीटीयू के दीक्षा समारोह में आनंदीबेन पटेल ने जताई चिंता, कहा, तकनीकी शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण नहीं हो तो सब व्यर्थ

जागरण संवाददाता, कानपुर : महिला अपराधों की चिंता शनिवार को यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संबोधन में भी दिखी। बिना किसी घटना का जिक्र किए उन्होंने कहा, यह चरित्र निर्माण की ही कमी है जिससे दिल दहला देने वाली घटनाएं हमारे सामने आ रही हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकना है तो स्कूल से लेकर कॉलेज तक छात्रों को चरित्र का पाठ पढ़ाना होगा। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के पहले दीक्षा समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ अगर चरित्र निर्माण नहीं हो तो वह व्यर्थ है। इसकी शुरुआत स्कूल स्तर से ही हो जाती है। जो स्कूल में सीखते हैं उसी के साथ छात्र उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को वाट्सएप व मोबाइल पर अपना समय नहीं गुजारना चाहिए। शिक्षकों का दायित्व है कि वे छात्रों को ऐसी पुस्तकों के करीब ले जाएं जिससे उनमें मोबाइल की लत न लगे। अच्छी पुस्तकें मोबाइल से उन्हें दूर करेंगी और नहीं उनके संस्कार की बुनियाद बनेगी। कॉलेज के छात्रावास में ऐसा महौल बनाया जाए जिससे उनके अंदर समाज सेवा, सद्भावना व सत्यनिष्ठा की भावना जाग्रत हो। कुलाधिपति ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र छात्राएं ऐसी तकनीक विकसित करें जिसका लाभ आम आदमी को मिल सके। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कथन 'तकनीक, शोध व अनुसंधान का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे' पर काम करना होगा। दीक्षा समारोह में कुलाधिपति, प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण, प्राविधिक शिक्षा प्रमुख सचिव एस राधा चौहान, मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. संजय गोविंद धांडे, कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने एमटेक व एमसीए के 166 छात्र छात्राओं को

पहली पंक्ति में बाएं से कानपुर के प्रांजल कुमार, बनारस की श्रेया सिंह, कानपुर के यशवर्धन सिंह, झारखंड की नेहा सिन्हा, कानपुर की गायत्री अरोड़ा व प्रयागराज की विभा मिश्रा। दूसरी पंक्ति में दाएं से बाएं कानपुर की सरिता प्रभा, मुरादाबाद के जतिन सचदेवा, आगरा के मुदित चतुर्वेदी, गाजीपुर के प्रखर मिश्रा व कानपुर के रामांश बाजपेयी। तीसरी पंक्ति में बाएं से मुख्य अतिथि पद्मश्री संजय गोविंद धांडे, कुलपति प्रो. एबी सिंह, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण व प्राविधिक शिक्षा सचिव एस राधा चौहान • जागरण

एचबीटीयू के प्रथम दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से बैग मिलने के बाद सामान देखते प्राथमिक स्कूल के बच्चे • जागरण

## लड़कियों में बढ़ता कुपोषण चिंता का कारण : आनंदीबेन

जागरण संवाददाता, कानपुर : हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के दीक्षा समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सही खान-पान नहीं मिलने और जल्दी शादी होने के कारण लड़कियां कुपोषण का शिकार हो रही हैं। यही कारण है कि देश में 25 से 30 फीसद बच्चे कुपोषित होने के साथ जन्म लेते हैं। एचबीटीयू में छात्राओं की हीमोग्लोबिन की जांच की गई जो एक अच्छा कदम है, लेकिन इसके परिणाम चिंताजनक हैं। 16 फीसद छात्राओं में पांच, छह, आठ व दस फीसद तक हीमोग्लोबिन की मात्रा मिली है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शहर के प्रदूषण पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को इसके लिए जागरूक होना होगा।

काव्य, लेखन व गायन में अव्वल छात्रों की पुस्तक बनें : कुलाधिपति ने कहा कि पढ़ाई के साथ काव्य, लेखन, गायन व खेलकूद में अव्वल छात्रों की एक पुस्तक बनाई जाए। इसका लोकार्पण दीक्षा समारोह में हो। इसके अलावा समाज के लिए उत्कृष्ट काम करने वाले शहर के दस नागरिकों को चुनकर उनका सम्मान किया जाए।

## नौकरी करने वाले भी सीखने की ललक रखें : धांडे

जास, कानपुर : समय के साथ शिक्षा से लेकर नौकरी तक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। जिसके अंदर सीखने की ललक होगी, वही आगे बढ़ेगा। नौकरी करने के दौरान हमेशा सीखने की चाह रखें तो सफलता कदम चूमेगी। ये बातें हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि आइआइटी के पूर्व निदेशक एवं पद्मश्री सम्मान से सम्मानित प्रो. संजय गोविंद धांडे ने अपने दीक्षा भाषण में कहीं।

उन्होंने कहा कि दीक्षा समारोह के साथ छात्रों के जीवन का एक पड़ाव समाप्त हो गया है। अब अनौपचारिक शिक्षा शुरू हो जाती है। जीवन की इस पाठशाला में जो अव्वल होगा, सफलता उसी को मिलेगी। तकनीकी ने आम आदमी की सोच बदल दी है, इसलिए टेक्नोक्रेट बनने के बाद युवाओं का दायित्व और बढ़ जाता है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के बिना देश का विकास संभव नहीं है। सरकार तकनीकी कॉलेजों में छात्रों के लिए स्मार्ट क्लासरूम, लैंग्वेज लैब बनवा रही है जिससे उन्हें आधुनिक शिक्षा प्रणाली के तहत पढ़ाया जा सके। शिक्षकों की कमी दूर करना प्राथमिकता है। इस पर काम शुरू कर दिया गया है।

## यशवर्धन, गायत्री, नेहा व हिमांशु को स्वर्ण

जास, कानपुर : हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के दीक्षा समारोह में 13 छात्र छात्राओं को स्वर्ण पदक से नवाजा गया। समारोह में एमटेक व एमसीए के 166 छात्र छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई।

कुलपति पदक प्राप्त करने वालों में बेटियां आगे रहीं। सात छात्राओं को कुलपति स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक से नवाजा गया जबकि पदक पाने वालों में छह छात्र रहे। इसके अलावा उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 112 छात्र व 54 छात्राएं शामिल रहीं। विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के गवाह स्कूली बच्चे भी बने। समारोह में शिरकत करने के लिए जागेश्वर मंदिर प्राथमिक विद्यालय ख्योरा, बाई जी का बाग व तात्यागंज प्राथमिक स्कूल से आए 50 छात्र छात्राओं को बैग, स्टेशनरी व फल वितरित किए गए।

### इन्हें मिले पदक

कुलपति स्वर्ण : यशवर्धन सिंह चौहान, एमटेक इंवायर्नमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग (2018), गायत्री अरोड़ा, एमटेक कंप्यूटर एंडेड डिजाइन (2019), नेहा सिन्हा, एमटेक केमिकल टेक्नोलॉजी-ऑयल टेक्नोलॉजी (2019), हिमांशु गुप्ता, एमसीए (2019) अनुपस्थित रहीं।

रजत पदक : जतिन सचदेवा, एमटेक कंप्यूटर एंडेड डिजाइन (2018), प्रांजल कुमार, एमटेक कंप्यूटर एंडेड डिजाइन (2019), शिखा त्रिपाठी, एमटेक कंप्यूटर एंडेड डिजाइन (2019) अनुपस्थित रहीं, श्रेया सिंह, एमटेक केमिकल टेक्नोलॉजी-फूड टेक्नोलॉजी (2019), प्रखर मिश्रा, एमसीए (2019)

कांस्य पदक : विभा मिश्रा, एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, रामांश बाजपेयी, एमटेक इंवायर्नमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, सरिता प्रभा, एमटेक केमिकल, टेक्नोलॉजी-बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, मुदित चतुर्वेदी, एमसीए

### मेधावी बोले

**वैज्ञानिक बनना चाहते हैं यशवर्धन**

एमटेक की पढ़ाई के दौरान जैविक उत्पादों से ईंट बनाने वाले एमटेक छात्र यशवर्धन सिंह चौहान भविष्य में वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। वह सिविल इंजीनियरिंग से पीएचडी कर रहे हैं।

**पति ने खोले सफलता के द्वार**

स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली एमटेक ऑयल टेक्नोलॉजी की छात्रा नेहा सिन्हा ने कहा कि वह अपनी सफलता का श्रेय पति सुनील कुमार को देती हैं। नेहा ने कहा वह भविष्य में केमिकल अथवा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी करना चाहती हैं।

**उच्च पद चाहती गायत्री**

एमटेक (कंप्यूटर एंडेड डिजाइन) में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली गुमटी नंबर-5 निवासी गायत्री अरोड़ा वर्तमान में गुड़गांव स्थित पेपरलेस कंपनी में वैज्ञानिक के पद पर काम कर रही हैं। उनके पिता किशन अरोड़ा व्यवसायी व मां सीमा गृहणी हैं।

**न आ सकीं हिमांशु**

पुणे के एक निजी कंपनी में बतौर असिस्टेंट इंजीनियर पद पर कार्यरत हिमांशु गुप्ता छुट्टी न मिलने के चलते एचबीटीयू के दीक्षा समारोह में नहीं आ सकीं। फोन पर उन्होंने बताया कि उन्होंने यहां से एमसीए की पढ़ाई पूरी की और स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

**छात्रों को देंगे नौकरी**

साकेत दिल्ली निवासी स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले एमटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र जतिन सचदेवा की ख्वाहिश अपने संस्थान के छात्रों को नौकरी देना है। उनके पिता विनोद सचदेवा व्यवसायी व माता पूजा सचदेवा गृहणी हैं।

### इन्हें मिले रजत पदक

**मल्टीनेशनल कंपनी में चाहता हूं नौकरी**

एमटेक कंप्यूटर एंडेड डिजाइन में रजत पदक प्राप्त करने वाले प्रांजल कुमार गुड़गांव स्थित एक कंपनी में कार्यरत हैं। वह मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने के साथ पीएचडी भी करना चाहते हैं। प्रांजल के पिता शांतिशरण किसान व मां सुनीता देवी गृहणी हैं।

**शिक्षा में करियर बनाना चाहती हूं**

रजत पदक प्राप्त करने वाली फूड टेक्नोलॉजी से एमटेक की छात्रा श्रेया सिंह वाराणसी, भूलनपुर की निवासी हैं। मुंबई स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी से पीएचडी कर रही श्रेया शिक्षा के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती हैं। मां सरोजा देवी गृहणी हैं।

**स्कूल खोलना चाहते प्रखर**

एमसीए में रजत पदक प्राप्त करने वाले गाजीपुर निवासी प्रखर मिश्रा एक आइटी कंपनी में कार्यरत हैं। वह नौकरी करने के साथ अपने शहर के जलसंसद बच्चों के लिए स्कूल खोलना चाहते हैं। प्रखर मिश्रा के पिता ओंकारनाथ मिश्रा अधिवक्ता हैं।


नीटी मुंबई
राष्ट्रीय औद्योगिक इंजीनियरी संस्थान
(भा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)

फेलो (डॉक्टरल) कार्यक्रम में प्रवेश - 2020

नियमित एवं प्रायोजित उम्मीदवारी हेतु अनुसंधान के अवसर:
- औद्योगिक इंजीनियरी एवं विनिर्माण प्रणाली
- प्रचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- इंजीनियरी प्रौद्योगिकी एवं परियोजना प्रबंधन
- निर्णय विज्ञान एवं सूचना प्रणाली
- पर्यावरणीय इंजीनियरी एवं प्रबंधन
- संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन
- विपणन प्रबंधन • लेखा एवं वित्त • अर्थशास्त्र एवं रणनीति

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.nitie.ac.in देखें।